हे!

महा-भगवती आर्य तारा,
मेरे और सभी सत्वों की सभी अशुद्धियों को दूर करें।
तेजी से प्रबुद्धि प्राप्त करने के लिए हमारा मार्गदर्शन करें।
अपने जीवनकाल में हम अनुकूल परिस्थितियों का अनुभव कर सकें।
आत्मबोध के लिए बाहरी और आंतरिक बाधाएँ,
रोग, असामयिक मृत्यु, कुस्वप्न, अपशकुन और भय जैसी मालिनताएँ दूर हो जाएँ।
हमारा मन धर्म की ओर उन्मुख हो।
हमें परिश्रमी होने के लिए विवश करें, हमें आपका चेहरा देखने के लिए विवश करें।
हमें परम बोधिचित्त, शून्यता की अनुभूति के लिए उत्तेजित करें।
हमारा पुनर्जन्म बुद्ध अमिताभ के दायरे में हो।
आप कितनी मंजुल हो!
कितनी शक्तिशाली!
कितनी असीम!
हम आप जैसे बनें।
इस प्रार्थना के द्वारा, चाहे हम जहाँ भी हों,
गरीबी, अकाल या मतभेद न हो।
धर्म की जय हो।

इस पवित्र छवि को जागरूकता के साथ संभालें

ख्येंत्से फ़ॉउंडेशन
www.khyentsefoundation.org

तारा संबोध-गीति

अप्रैल 3, 2017 को जोंग्सार ख्येंत्से रिम्पोछे द्वारा रचित

श्वेत तारा चित्रकारी – एमिली अवेरी क्रो